Krishi Kumbh
Online E-Magazine
Www.KrishiKumbh.Com

कृषि कुंभ

E-ISSN: 2582-9769

कृषि कुंभ
हिंदी मासिक पत्रिका

खण्ड 04 भाग 09, (फरवरी, 2025)
पृष्ठ संख्या 13–15

मक्का की उन्नत खेती

अमीता मीणा
सहायक प्राध्यापक,
कृषि विज्ञान सकांय,
श्री खुशाल दास विश्वविधालय,राजस्थान, भारत।

Email Id: – amitameenagro@gmail.com

मक्का की उन्नत खेती के लिए कुछ विशेष तकनीकों और उपायों का पालन करना पड़ता है, जिससे बेहतर उत्पादन और उच्च गुणवत्ता की फसल प्राप्त की जा सकती है। यहां कुछ उन्नत कृषि विधियाँ और सुझाव दिए गए हैं:

1. उन्नत बीजों का चयन

- उच्च उपज देने वाली और रोग प्रतिरोधी मक्का की किस्मों का चयन करना चाहिए ।
- HYV (High Yielding Varieties) बीजों का चयन करना, जैसे कि 'Hybrid Maize' जो बेहतर उत्पादन देती हैं। उन्नत मक्का किस्मों का चयन करने से किसानों को उच्च उत्पादन, बेहतर गुणवत्ता और फसल से संबंधित जोखिमों को कम करने में मदद मिलती है। हाइब्रिड किस्में इन लाभों के कारण अधिक लोकप्रिय हैं, और इनका उपयोग अधिकतर किसानों द्वारा किया जाता है।
- बीजों का चयन स्थानीय जलवायु, मृदा और मौसम की स्थिति के आधार पर करना।

2. मिट्टी की तैयारी

- मक्का की फसल के लिए हल्की दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है।
- खेत को अच्छी तरह से तैयार करना चाहिए। पहले खेत को गहरी जुताई से तैयार करके और फिर उसे हल्का सा जोतकर समतल करें। इससे मिट्टी में हवा का संचार होता है और नमी की कमी नहीं होती।

3. सिंचाई प्रबंधन

- मक्का को सही समय पर और उचित मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है।
- ड्रिप सिंचाई और स्प्रिंकलर प्रणाली का प्रयोग करना चाहिए ताकि पानी की बचत हो और पौधों को समान रूप से पानी मिले।
- बुवाई के दौरान खेत में पर्याप्त नमी बनाए रखें, लेकिन अधिक पानी से बचें क्योंकि इससे जड़ सड़ सकती है ओर मक्का को कम पानी की आवश्कता होती है ।

4. खाद और उर्वरकों

- मक्का की अधिकतम उपज के लिए नाइट्रोजन, फास्फोरस, और पोटाश की सही मात्रा में आपूर्ति जरूरी होती है।
- बुवाई के समय खेत में उचित मात्रा में नाइट्रोजन उर्वरक डालना चाहिए और फूलने के बाद पोटाश और फास्फोरस का इस्तेमाल करना चाहिए।
- जैविक खाद (जैसे गोबर की खाद या वर्मी कंपोस्ट) का भी प्रयोग करें, जिससे मिट्टी की उर्वरता बनी रहती है।
- मिश्रित उर्वरकों का उपयोग करना चाहिए जैसे कि DAP, NPK आदि, लेकिन इनका उपयोग वैज्ञानिक तरीके से करना चाहिए।

5. बीज बोने की सही विधि

- मक्का के बीजों को 4–6 सेंटीमीटर की गहराई पर बोना चाहिए।
- बीजों के बीच 20–25 सेंटीमीटर की दूरी और पंक्तियों के बीच 60–75 सेंटीमीटर की दूरी रखना। यह पौधों को पर्याप्त स्थान देता है और हवा का संचार अच्छे से होता है।

6. मुल्चिंग

- खेत में पौधों के आसपास पत्तियां या चारा डालें (मुल्चिंग)। यह मिट्टी की नमी को बनाए रखने और खरपतवार को नियंत्रित करने में मदद करता है।

7. कीट और रोग

- मक्का में कीटों (जैसे मक्का कीड़े) और फफूंद (जैसे पाउडरी मिल्ड्यू) का प्रकोप हो सकता है। इनसे बचने के लिए नियमित रूप से खेत का निरीक्षण करना चाहिए ।
- जैविक या रासायनिक कीटनाशकों का उपयोग करना चाहिए, जैसे की नीम तेल या पायरेथ्रॉइड्स आदि का उपयोग।
- खेत में फसल चक्र का पालन करना चाहिए, ताकि कीटों का प्रकोप कम हो जाये।

8. खरपतवार नियंत्रण

- मक्का के खेत में खरपतवार की अधिकता होने से पौधों की वृद्धि रुक सकती है।
- खरपतवार नाशक एट्राजीन, टिन्जर, 2,4–डी सोडियम का उपयोग करें और समय–समय पर खेत को साफ करना चाहिए।

9. वृद्धि का उत्तेजन

- पौधों की वृद्धि को बढ़ाने के लिए जैविक विकास उत्तेजक का उपयोग करने से पौधों के विकास को तेज कर सकते हैं।

10. फसल की कटाई

- मक्का की कटाई तब करनी चाहिए, जब भुट्टों की ऊपर की पत्तियां सूखने लगें और दाना सख्त हो जाए. आम तौर पर, मक्का की कटाई अगस्त से अक्टूबर के बीच की करते है, मक्का की कटाई का समय, मक्के की किस्म, रोपण का समय, और मौसम पर निर्भर करता है।
- मक्का की कटाई के बाद, भुट्टों को धूप में सुखाना चाहिए. इसके बाद, कॉर्नशेलर की मदद से दानों को भुट्टों से अलग करके

भंडारण के लिए दानों को तब तक सुखाये जब तक कि उनमें नमी 8–10 प्रतिशत से ज्यादा नही होनि चाहिए।

- मक्का की कटाई के बाद, गहाई का काम भी किया जाता है. गहाई के लिए सेलर का इस्तेमाल किया जाता है. अगर सेलर नहीं है, तो साधारण थ्रेशर से भी मक्का की गहाई की जा सकती है।
- मक्का की कटाई तब करते जब दाने पूरी तरह से पककर कठोर हो जाते है और उनका रंग पीला या भूरा हो जाता है ।
- कटाई से पहले इस बात का विसेस ध्यान रखना चाहिए की फसल अछे से पक्की होनी चाहिए ताकि दानो में किसी भी प्रकार की बीमारी न लग सके।

11. जलवायु ओर सिचाई

- मक्का की अच्छी पैदावार के लिए गर्म जलवायु और पर्याप्त बारिश की जरूरत होती है. मक्का एक गर्म मौसम की फसल है और इसे अच्छी धूप की जरूरत होती है
- मक्का की खेती के लिए 18–20 डिग्री सेल्सियस तापमान होना चाहिए. मक्का की अच्छी बढ़वार के लिए 25–30 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त मन जाता है मक्का की फसल के लिए अच्छी धूप की जरूरत होती है. मक्का की फसल को बारिश की जरूरत होती है, मक्का की फसल को तापमान में उतार–चढ़ाव से नुकसान होता है मक्का की फसल को सिंचाई की जरूरत होती है मक्का की फसल की सिंचाई के लिए उपसतही ड्रिप–सिंचाई का प्रयोग करना चाहिए।
- जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की कमी हो सकती है। ऐसे में जलवायु अनुकूल किस्मों का चयन करना चाहिए और पानी की बचत तकनीकों की तरीके से करना चाहिए।

12. कृषि उपकरणों का उपयोग

- आधुनिक कृषि उपकरण जैसे ट्रैक्टर, पंक्ति बोने वाली मशीन, और स्प्रिंकलर सिस्टम का प्रयोग करना चाहिए। ये खेती को आसान और जल्दी करने में मदद करते हैं और पैदावार को बढ़ाते हैं।

13. फसल का निरीक्षण

- मक्का के पौधों की नियमित निगरानी में रहना चाहिए। अगर कोई रोग या कीट का प्रकोप हो तो समय रहते उसे नियंत्रित करना चाहिए।
- पोषक तत्वों की कमी या जलवायु में बदलाव से प्रभावित होने पर त्वरित समाधान करना चाहिए।
- इन उन्नत तकनीकों को अपनाकर आप मक्का की उन्नत खेती कर सकते हैं और उच्च गुणवत्ता और बेहतर उत्पादन प्राप्त कर सकते हैं।